आनन्दराज केशवी

मोहब्बत की अटूट दास्तां

अनमोल वया

आनन्दराज केशवी

मोहब्बत की अटुट दास्तान

Publishing-in-support-of,

FSP Media Publications

RZ 94, Sector - 6, Dwarka, New Delhi - 110075
Shubham Vihar, Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.fspmedia.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-93-6026-348-5

Price: ₹ 100.00

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Publisher.

Printed in India

आनन्दराज केशवी

मोहब्बत की अटुट दास्तान

अनमोल वया

भूमिका

''आनन्दराज – केशवी'' मेरी स्वयं की पूर्वजन्म की मोहब्बत की अधूरी दास्तान है। इसकी कथावस्तु मेरे पूर्वजन्म की घटी घटनाओं तथा प्रेम वियोग संबंधित है। मेरी इस कहानी में रहस्य, वास्तविकता एवं विकास का एक उद्देश्य उजागर होता है।

मेरी पुनर्जन्म इस बात का प्रमाण है कि प्रेम सबसे महान है, प्रेम दो आत्माओं का मिलन है, तथा प्रेम में मेरा विश्वास यह है कि चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ जीवन में क्यों न आ जाए, पर मुश्किलों का सामना करते हुए, अपने प्रेमी के प्रति विश्वास व धैर्य रखें।

मेरा पूर्वजन्म में त्रिशुल द्वारा आत्महत्या करना, इस बात का प्रमाण है कि शिवाजी ने ही मेरे पूर्वजन्म में साथ दिया है, और इस तरह मुझे हमेशा विश्वास रहेगा कि मेरी यह

कहानी लोग पसंद करे और इसे सच्चे दिल से पढ़ें।

इस कहानी में मैंने, मेरे और मेरे ब्वायफ्रेंड की प्रेम कहानी को गहन रूप से दर्शाया है।

मैं चाहता हूँ कि जो भी मेरी इस पुस्तक को पढ़गा, वो कृपया सच्चे दिल से पढ़े, क्योंकि यह पुस्तक मेरी सच्ची कहानी है, कोई मज़ाक नहीं है।

मेरा उद्देश्य मेरी इस कहानी के जरिये लोगों को यह बताना है कि, सच्चा प्रेमी ज़िन्दगी भर साथ निभाता है, और मेरा तो यह निर्णय तय है कि मैंने मेरे पति को वापस पाने के लिए यह जन्म लिया है और आगे भी कई जन्म लूँगा, मेरे ब्वायफ्रेंड/पति को पाने के लिए।

साक्षात भगवान भोलेनाथ ने हम दोनों को एक–दूसरे के साथ प्रेम के शुभ बंधन में बॉधा है। मेरी हमेशा यही कोशिश रहेगी कि मेरा ब्वायफ्रें हमेशा मेरा ही रहे।

इस कहानी के जरिये मैं अपने दिल का दर्द आप सभी पाठकों के साथ बाँटना चाहता

हूँ और मुझे विश्वास है कि मेरी यह कहानी एकदम सटीक और सहज है।

और मेरी यह कोशिश रहेगी कि, मेरी इस पुस्तक को पढ़कर जिन लोगों ने भी अपना प्यार खोया है, तो उसे जरूर पूर्ण मदद मिलेगी।

मैंने अपने पुस्तक में तंत्र–मंत्र को भी अहम माना है क्योंकि मुझे तंत्र–मंत्र पर पूर्ण विश्वास है।

जिस प्रकार राम–सीता, कृष्ण–राधा, सत्यवान–सावित्री, शिव–सती और शिव–पार्वती की तरह यह कहानी भी एक मिसाल कायम करेगी।

मेरा और मेरे प्रेमी मोहित सोनी का प्रेम, एक और इतिहास रचने के लिए तत्पर है। इस कहानी के जरिये से सभी पाठकों को मेरा दर्द अवश्य दिखाई देगा कि अपने प्रेमी से बिछड़ना कैसा होता है।

सभी पाठक आप मेरे मित्र समान है, कृपया करके मेरी इस वास्तविक जीवन की घटना को ध्यान से पढ़कर, समझकर मुझे विश्वास दे।

इस कहानी में भगवान शिव ही मेरी मेरे पूर्वजन्म एवं पुर्नजन्म के रचयिता हैं और मुझसे मिलने वाले ज्योतिषिय बाबा भी इसमें मेरी पूर्ण सहायता कर रहें हैं, ताकि मैं मोहित को अपना पति बना सकूँ, और उसकी पत्नि बन सकूँ।

अनमोल वया

अनमोल वया का जन्म 11 जुन 1994 को भीण्डर नामक गाँव में हुआ। इनके पिता प्रकाश लाल वया एक अध्यापक थे। इनकी प्रारंभिक पढ़ाई भीण्डर के नोबल पब्लिक स्कूल में हुई तथा उसके बाद इनकी दूसरी कक्षा से लेकर आठवीं कक्षा तक विद्यय निकेतन स्कूल में पढ़ाई पूरी हुई।

उसके बाद अनमोल की 9वीं से 12 तक की पढ़ाई उनके पिता के ही स्कूल भैरव सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में हुई।

इनकी स्नातक की पढ़ाई 2012 में उदयपुर नामक शहर में प्रारंभ हुई। इनकी स्नातक की पढ़ाई अभी वर्तमान में चल रही है। इनकी बी.कॉम सैकेण्ड ईयर कम्पलीट हो गई है, अब आगे सी. एस की भी बी.कॉम फाईनल के साथ तैयारी कर रहें हैं।

अनमोल की बचपन से मॉडलिंग और फिल्मों में एक्टिंग का शौक रहा है। अनमोल वया ने यह कथा बड़े ध्यान से लिखी है। कथा का नाम है।

''एक अनोखी प्रेम कथा।'' इसके अलावा अनमोल ने कई कथाएँ व एकांकीयाँ रची व लिखी भी है।

कथा परिचय

''एक अनोखी प्रेम कथा'' अनमोल वया की स्वयं की दर्द भरी मोहब्बत की अधूरी एतिहासिक दास्तान है। इनकी कथावस्तु अनमोल वया के स्वयं के पूर्वजन्म व इस जन्म के सारांश पर आधारित हैं। अनमोल वया ने इस कथा में अपने पूर्वजन्म की अधूरी दास्तान को व्यक्त किया है, तथा इस कथा में अनमोल ने अपने पुनर्जन्म यानि कि इस जन्म की पूर्वजन्म से जुड़ी कड़ी को दर्शाया है। यह कथा चौका देने वाली अटूट प्रेम कथा है। इसी कारण अनमोल ने अपनी इस कथा को ''एक अनोखी प्रेम कथा'' नाम दिया। इस कथा में अनमोल व उनके पिछले जन्म के प्रेमी का मिलना – बिछड़ना भी बताया गया है। तो आइये हम कथा को गंभीर व गहरे रूप में जान सकें।

प्रेम के बारे में मेरी राय

प्रेम एक महत्वपूर्ण चीज है, जो हर व्यक्ति के पास विद्यमान है, पर जो प्रेम की भाषा नहीं जानकर गुस्सा करता है, तो उसकी जिन्दगी नर्क के बराबर हो जाती है। प्रेम पति–पत्नि दोनों के बीच अत्यधिक होना चाहिए, क्योंकि यदि पति–पत्नि का प्रेम अत्यधिक होता है तो, उनके बीच रिश्ते को निभाने की समझ भी हमेशा बनी रहती है, और प्रेम की अधिकता से पति–पत्नि में एक–दूसरे पर शक करने की आदत नहीं पड़ती व हमेशा एक–दूसरे का साथ निभाते रहते हैं, और एक प्रेमी अपनी प्रेमिका को अगर पूरा प्यार दे तो, प्रमिका भी उसको परमेश्वर के रूप में देखती है। यही बात प्रमिका को भी समझनी चाहिए कि, अपने प्रेमिका पर बिना सोचे–समझे शक ना करे, और अपने प्रेमी की हमेशा इज्जत दें। और अगर प्रेमी गुस्सा

करे तो, प्रमिका ही उस गुस्से को खत्म करने में प्रेमी की मदद कर सकती है।

आनन्दराज केशवी

"आनन्द राज और केशवी" एक अनोखी दर्द भरी और मोहब्बत की अधूरी कथा है। यह एक एतिहासिक घटना पर आधारित है। इसकी कहानी / कथावस्तु अनमोल वया द्वारा रचित है तथा इस कहानी में हमें मोहब्बत की मिसालें कायम होती नज़र आती हैं।

इस कथा का मुख्य भाग पुर्वजन्म है। पुर्वजन्म का "आनन्दराज – केशवी" का अटूट प्रेम पुनर्जन्म में पूरा होने की उम्मीद नज़र आती है। इस कथा का उद्देश्य प्रेम में गहरापन, मिठास और विश्वास लाने की एक सरल कोशिश है। इस कथा में हमें आनन्दराज और केशवी के पुर्वजन्म का सारांश भी पता चलता है।

लेखक से संपर्क हेतु:
anmolvaya114@gmail.com

FSP
FSP MEDIA PUBLICATIONS

BOOK AVAILABLE
Flipkart
GET IT ON Google Play
amazon
amazonkindle

EBOOK AVAILABLE

ISBN 978-93-6026-348-5
9 789360 263485